प्रेक्षाध्यान शिविर सज़्पन्न

मृग मरिचिका के समान है भोग - आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 28 अक्टूबर, 2010

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि भोग मृग मरिचिका के समान होता है। कुश के अग्र भाग पर टिके ओश बिन्दु की तरह जीवन की अनित्यता को जानने वाला मृत्यु से नहीं डरता। जहां संयोग है वहां वियोग है इस सूत्र को आत्मसात करने वाला साधना में आगे बढ़ सकता है।

उक्त विचार उन्होंने 21 से 28 अक्टूबर तक आयोजित प्रेक्षाध्यान शिविर के समापन पर शिविरार्थियों एवं धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि शिविर में अल्पकाल के लिए साधना होती है। यहां से साधना का प्रशिक्षण प्राप्त कर आगे की दीर्घकाल तक निष्ठा के साथ प्रयोग चलते रहें यह आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जब मोह को कम करने की साधना होगी तब मोक्ष की तरफ आगे बढ़ सकेंगे।

इस अवसर पर जीतमल गुलगुलिया ने बताया कि इस शिविर में 6 प्रांतों से 22 लोगों ने भाग लिया। इन शिविरार्थियों को मुनि किशनलाल, मुनि जयकुमार आदि संतों ने प्रशिक्षण प्रदान किया। समापन कार्यक्रम में नरेश शाह, गिरिश भाई आदि ने शिविर में हुए अनुभवों की प्रस्तुति दी। संचालन मुनि मोहजीतकुमार ने किया।

प्रवचन के दौरान बीदासर में संथारे के साथ देवलोकगमन होने वाली साध्वी मंहताबाजी की स्मृति सभा भी आयोजित की गई। उनका जीवन परिचय प्रस्तुत करते हुए आचार्य महाश्रमण ने उनकी सेवाओं का उल्लेख किया। सज़्पूर्ण साधु-साध्वियों की उपस्थिति में चार लोगस्स का ध्यान किया गया।

'महाबल मलयासुन्दरी' का विमोचन

जैन विश्व भारती द्वारा प्रकाशित आगमी मनीषी मुनि दुलहराज के द्वारा रूपांतरित उपन्यास 'महाबल मलयासुन्दरी' का विमोचन आचार्य महाश्रमण ने आज तेरापंथ भवन में प्रवचन के दौरान किया। मुनि जितेन्द्र कुमार ने प्रस्तुत पुस्तक की प्रथम कृति आचार्यप्रवर को भेंट की। इस मौके पर आचार्य महाश्रमण ने कहा कि मुनि श्री दुलहराजजी वयोवृद्ध संत हैं। बहुश्रुत परिषद के सदस्य हैं। इनके द्वारा अनेक पुस्तकों का अनुवाद हो रहा है। यह गुजराती से हिन्दी में रूपांतरित उपन्यास है। इससे लाभान्वित हो मंगल कामना।

आज से होगा गांधी विद्या मन्दिर में त्रिदिवसीय प्रवास

आचार्य महाश्रमण का 29 से 31 अक्टूबर तक गांधी विद्या मन्दिर में प्रवास होगा। वहां अखिल भारतीय अणुव्रत गीत गायन प्रतियोगिता का आयोजन अणुव्रत न्यास दिल्ली द्वारा किया जायेगा। इसके साथ ही अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के तत्वावधान में स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल द्वारा आंचलिक कन्या मण्डल कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। उक्त जानकारी कन्या मण्डल की संयोजिका रितिका दुगड़ ने दी।

चौबीसी प्रतियोगिता 7 को

श्रीमद् जयाचार्य द्वारा रचित एक श्रेष्ठ कृति पर आधारित चौबीसी प्रतियोगिता का आयोजन तेरापंथी सभा द्वारा 7 नवज़्बर को रात्री 7 बजे तेरापंथ भवन में किया जायेगा। उक्त जानकारी देते हुए सभा अध्यक्ष अशोक नाहटा ने बताया कि आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित इस मुज़्य प्रतियोगिता हेतु चयन करने के लिए प्रतियोगियों की 7 नवज़्बर को दोपहर 1.30 बजे प्रवेश परीक्षा ली जायेगी। यह प्रतियोगिता पद्य राउण्ड, चरण राउण्ड, अक्षर राउण्ड, शब्द राउण्ड के रूप में चार चरणों में आयोजित होगी। हर चरण के प्रत्येक प्रश्न का सही उत्तर देने वाले प्रतियोगी को अगले राउण्ड में पहुंचने का अधिकार प्राप्त होगा। अध्यक्ष नाहटा ने बताया कि प्रतियोगिता गुवाहाटी प्रवासी एवं सरदारशहर निवासी बिमलकुमार, संदीप, प्रियंक नाहटा द्वारा प्रायोजित है।

– शीतल बरड़िया